

में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की

में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की,
में खाटू मैं खाटू मैं खाटू आ गया जी,

खाटू आके मन्ने देखा भीड़ पड़ी थी भारी,
दूर दूर से आवे आड़े बालक नर और नारी,
सब की आस पुगावे जब में बड़ा है दानी,
इसी लिए सब बोले इसने बाबा शीश का दानी बाबा लखदात्री,
में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की,

खाटू की गलियां में देखा बाबा अजब नजारा,
बाबा तेरा प्रेमी सारा नाच नाच के गा रहा,
कोई बोले बंगाली आड़े कोई गुजराती बोले,
हरयाणे आले भी आड़े जय बाबा की बोले.,
में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की,

थोड़ा सा जब आगे चालिया श्याम कुंड था आया,
श्याम कुंड के शीतल जल में शीतल हो गई काया,
उसके बाद में बाबा तेरा मंदिर ढूंढ लागया,
ढूंढन के मंदिर तेरा मंदिर के समाने आ गया,
में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की,

मंदिर के जब भीतर पोहंचा नजर मने तू आया,
देख के तेरा ठाठ संवारा जय कौशिक हरश्या.
मने देख कर बाबा तू भी थोड़ा तो मुस्काया,
जिसे मैंने सुनाया सा बाबा उस से भी बढ़ कर पाया,
में खाटू आ गया जी मने सुनी बड़ी दरबार की,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10122/title/main-khatu-aa-geya-ji-maine-suni-badi-darbar-ki>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |